जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

04 नवम्बर, 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया में "विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए मूल्यांकन उपकरण और तकनीक" पर पांच दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शिक्षा संकाय के शिक्षक प्रशिक्षण और अनौपचारिक शिक्षा विभाग (आईएएसई) द्वारा एम.एड. स्पेशल एजुकेशन (अधिगम अक्षमता एवं दृश्य अक्षमता) पाठ्यक्रम के छात्रों के लिए विशेष रूप से निर्मित पांच दिवसीय कार्यशाला जो 4 से 8 नवम्बर 2024 तक चलेगी वह आज शुरू हुई। ए\इस कार्यशाला को विशेष रूप से प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के छात्रों के लिए तैयार किया गया है और एम.एड. स्पेशल एजुकेशन तृतीय सेमेस्टर के छात्र (अधिगम अक्षमता एवं दृश्य अक्षमता) आयोजक की भूमिका में हैं और एम.एड. स्पेशल एजुकेशन प्रथम वर्ष के छात्र (अधिगम अक्षमता एवं दृश्य अक्षमता) प्रतिभागी की भूमिका में हैं।

इस कार्यशाला का उद्घाटन सत्र आज दिनांक 4 नवंबर, 2024 को आयोजित किया गया, जिसकी शुरुआत आफताब आलम द्वारा तिलावत-ए-कुरान के पाठ से हुई। तदुपरान्त नबिया और इशिका ने गर्मजोशी से स्वागत भाषण दिया। एम.एड. स्पेशल एजुकेशन कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. सौरभ राय ने कार्यशाला का व्यावहारिक परिचय दिया, जिसमें कार्यक्रम के उद्देश्यों और प्रत्याशित परिणामों पर चर्चा की गई। एम.एड. की छात्रा भारती शर्मा ने कार्यशाला का विस्तृत कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जबकि समन्वयक प्रो. भारती शर्मा ने कार्यशाला के औचित्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी जिसमें विशेष जरूरतों वाले बच्चों के साथ काम करने वाले शिक्षकों के लिए मूल्यांकन उपकरणों और तकनीकों के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

विभागाध्यक्ष प्रो. जेसी अब्राहम ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और भविष्य के स्पेशल एजुकेशन शिक्षक शिक्षकों के लिए आवश्यक विशेष उपकरणों और मूल्यांकन ज्ञान की महत्वपूर्ण आवश्यकता को रेखांकित किया। शिक्षा संकाय की डीन प्रो. सारा बेगम ने भी स्पेशल एजुकेशन में मूल्यांकन की भूमिका के बारे में अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की और छात्रों को विभिन्न तकनीकों की सूक्ष्म समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सत्र का समापन दिलकश फिरोज के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें कार्यशाला को सफल बनाने सभी प्रतिभागियों, वक्ताओं और आयोजकों के योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया गया।

सत्र के दौरान संकाय सदस्य डॉ. मोहम्मद फैजुल्लाह खान, डॉ. एरम नासिर, डॉ. तौसीफ आलम, डॉ. पैटेला रामकृष्ण, डॉ. आर. जमुना, श्री मोहम्मद जुबेर, मुमताज बानो, सुनीता मघु उपस्थित रहे ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया